<u>पत्र सूचना शाखा</u>

<u>सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0</u>

क्लासिकल वायस आफ इण्डिया-2014 का पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

शास्त्रीय संगीत का कोई पर्याय नहीं है - राज्यपाल

लखनऊः 14 दिसम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज संत गाडगे प्रेक्षागृह में आयोजित 'क्लासिकल वायस आफ इण्डिया-2014' के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में नवोदित कलाकारों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि इनमें से अगली पीढ़ी के लता मंगेशकर, बेखम अख्तर, नौशाद व बिरजू महाराज जैसे कलाकार निकलेंगे। शास्त्रीय संगीत की साधना के लिए बहुत परिश्रम करना पड़ता है। शास्त्रीय संगीत का कोई पर्याय नहीं है। उन्होंने कहा कि नये कलाकारों को आगे आना चाहिए।

श्री नाईक ने कहा कि गायन एवं संगीत के क्षेत्र में लखनऊ और मुम्बई का नया रिश्ता बन रहा है। यहाँ के कई कलाकारों ने मुम्बई को अपनी कार्यस्थली बनाया है। संगीत एवं कला में लखनऊ की अपनी अलग पहचान है। उन्होंने नवोदित कलाकारों को शुभकामना देते हुए कहा कि जैसे चन्द्रमा रोज-रोज बढ़कर पूर्णिमा का चाँद बनता है वैसे ही उनकी कला दिनों दिन बढ़ती जाये।

राज्यपाल ने इस अवसर पर विभिन्न प्रदेशों से प्रतिभाग करने वाले सीनियर एवं जूनियर श्रेणी के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले विजेताओं को मेडल, स्मृति चिन्ह व पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया। उन्होंने इस अवसर पर धुरपद गायक डाॅ0 रित्विक सान्याल, तबला वादक पं0 शीतल प्रसाद मिश्रा को स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

प्रतियोगिका के आयोजन में स्टेट बैंक आफ इण्डिया सहित अन्य संस्थाओं ने भी सहभाग किया था। राज्यपाल ने सुझाव दिया कि अपनी ओर से स्टेट बैंक पुरस्कार राशि में कुछ वृद्धि भी करें।

MILON
OF INDIA
CE OF INDIA
INDIA
envisage

SANGEET MILON
Presents
E BANK OF INDIA
Sponsored
VOICE OF INDIA
nd Finals
INDIA
SANGEET MIL
CLASSICAL VO
OF INDIA